पाठ 15. भगतसिंह का पत्र

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ में क्रांतिकारी भगतसिंह द्वारा पंजाब के गवर्नर को लिखा एक पत्र शामिल किया गया है। पाठ को सुनकर बच्चों में देशभक्ति की भावना जागेगी। वे भगतसिंह के रूप में एक देशभक्त क्रांतिकारी से परिचित होंगे। अपने कर्तव्यों के प्रति उनमें जागरूकता आएगी। उनका भाषा-ज्ञान बढ़ेगा। उनके श्रवण-कौशल का विकास होगा और उनमें आत्मविश्वास जागेगा।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को पाठ शुद्ध उच्चारणसहित पढ़कर सुनाएँ।
- पाठ सुनाने के बाद उनसे पाठ से संबंधित प्रश्न पूछें।
- प्रश्न का उत्तर बताने के लिए वे अपने मित्रों से चर्चा भी कर सकते हैं।
- बच्चों के द्वारा उत्तर देने पर उनका उत्साहवर्धन करें।

इस गतिविधि में पाठ सुनने तथा प्रश्न के उत्तर देने से बच्चों की भाषा संबंधी तथा तर्क-वितर्क संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। अपने मित्रों के साथ चर्चा करने व अपने विचार अभिव्यक्त करने से उनकी सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

रचनात्मक गतिविधि – 3

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चों को प्रेमचंद का साहित्य उपलब्ध कराएँ।
2. अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को कक्षा में चर्चा करने को कहें।
3. इसे बच्चे स्वयं करें।
4. इसे बच्चे स्वयं करें।
5. इसे बच्चे स्वयं करें।
6. इसे बच्चे स्वयं करें।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. बच्चों को प्रस्तुत कहानी को संवाद रूप में लिखने को कहें।
   - उन्हें बताएँ कि वे किस प्रकार कहानी का नाट्य रूपांतरण कर सकते हैं।
   - आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।
2. घटना काल्पनिक भी हो सकती है और सत्य भी।
   - बच्चे चाहें तो पहले सुना भी सकते हैं।
3. दो-दो बच्चों को एक साथ बैठाकर उन्हें इस विषय पर चर्चा करने दें।
   - चर्चा करते समय उन्हें कहें कि साथ में कॉपी व कलम रखें।
   - जो भी बातें वे करें उन्हें थोड़ा-थोड़ा लिखते जाएँ।
   - संवाद लिखने का तरीका बताते हुए बच्चों को स्वयं इस विषय पर संवाद लिखने

को कहें।

4. कक्षा में इस विषय पर चर्चा करें।
   - सभी बच्चे अपने-अपने विचार व्यक्त करें।
   - पाठ से अलग और भी दोहों पर विचार करें।
5. लिखित अभिव्यक्ति का विकास करने के लिए बच्चों को ऐसे विषयों पर लेख लिखने का अभ्यास कराएँ।
6. इसे बच्चे स्वयं करें।

(ग) क्रियाकलाप

1. जानकारी प्राप्त करने में बच्चों की मदद करें।
2. बच्चों को औपचारिक पत्र लिखना बताएँ।
   - पत्र का नमूना श्यामपट्ट पर लिखकर बताएँ।
   - बच्चों को शोध कार्य कैसे किया जाता है, सिखाएँ।
3. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को प्रोत्साहित करें।
   - एक या दो पंक्ति पहले स्वयं बनाकर दें।
   - तीन-चार बच्चों का समूह बनाकर उन्हें एक कविता रचना करने को भी कह सकते हैं।
   - बच्चे अपनी कविता का पाठ कक्षा में करें।
4. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे इंटरनेट से या किसी अन्य स्रोत से चित्रों का संकलन करें।
5. एकता की माला को मज़बूत बनाओ।
   विमान तेज़ गति से उड़ता है।
6. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चों को 20 से 30 दोहे याद करने को कहें।
   - दोहे स्वयं बच्चों को उपलब्ध कराएँ।
   - दोहा अंत्याक्षरी के चार-पाँच चक्र बनाएँ।
   - सभी बच्चे छह से आठ का समूह बनाएँ।
   - इसे वर्ग प्रतिस्पर्धा के रूप में भी किया जा सकता है।
7. सामाजिक विज्ञान के अध्यापक/अध्यापिका या अपने माता-पिता के साथ चर्चा कर बच्चे इस प्रश्न का उत्तर लिखें।
8. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
9. 'सालिम अली' के जीवन के बारे में जानने के लिए बच्चों को पुस्तकालय में जाने के लिए प्रेरित करें। इस प्रकार बच्चों के मन में पुस्तकें पढ़ने की रुचि बढ़ेगी और वे पुस्तकालय में पुस्तकें लेकर पढ़ने की आदत भी अपनाएँगे।